

पैन पॉवर

हिंदी दैनिक समाचार पत्र



वर्ष - 1 अंक - 86

रविवार, अक्टूबर 11, 2026

विशाखापट्टनम संपादक: गंट्यादा अप्पाराव

पृष्ठों. 4मूल्य. 1रु

दिल्ली एयरपोर्ट पर सीजेपी के तीन सदस्य हिरासत में

नयी दिल्ली (एजेंसी): कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके और पार्टी के सदस्य सोरव दास तथा आशुतोष रांका को शनिवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर पहुंचते ही हिरासत में ले लिया गया। पुलिस के अनुसार, ये सभी जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध 1 प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। दिपके को लेकर विमान के आईजीआई एयरपोर्ट पर उतरते ही दिल्ली पुलिस के जवान विमान के अंदर पहुंच

गए। दिपके ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें दिल्ली पुलिस की टीम विमान में प्रवेश करती दिखाई दे रही है। इसी दौरान दिपके और उनके साथी सोरव दास तथा आशुतोष रांका को विमान के अंदर ही हिरासत में ले लिया गया। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में दिपके पुलिस से कहते सुनाई दे रहे हैं, “मैं यहां गिरफ्तार होने के लिए आया हूं, मुझे गिरफ्तार कर लो।” सीजेपी ने भी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर हिरासत में लिए जाने की

जानकारी देते हुए लिखा, “अभिजीत दिपके हिरासत में! सोरव दास हिरासत में! आशुतोष रांका हिरासत में!” इन तीनों को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से पहले हिरासत में लिया गया। यह प्रदर्शन देश में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं के विरोध में आयोजित किया जाना था। दिपके शनिवार सुबह मुंबई से दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। उनका उद्देश्य मुख्य चुनाव

आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्तावित प्रदर्शन का नेतृत्व करना था। इससे पहले शनिवार सुबह यूट्यूब ध्रुव राठी को भी जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध 1 प्रदर्शन से पहले गुरुग्राम पुलिस ने उनके आवास पर हिरासत में ले लिया था। राठी ने गुरुवार को बंगलुरु में मतदाता सूचियों के एसआईआर के खिलाफ आयोजित विरोध प्रदर्शन में भी हिस्सा लिया था। इन हिरासत की घटनाओं के बीच दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए

राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है और प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। दिल्ली की सीमाओं पर वाहनों की सघन जांच की जा रही है। प्रदर्शन के दौरान किसी भी अप्रिय घटना की रिकॉर्डिंग के लिए पुलिसकर्मियों को बॉडी कैमरों से लैस किया गया है। इसके अलावा, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आवासों की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है।



दिल्ली प्रदर्शन से पहले ध्रुव राठी हिरासत में

नयी दिल्ली (एजेंसी): सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ध्रुव राठी को शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध 1 प्रदर्शन से पहले गुरुग्राम पुलिस ने उनके आवास से हिरासत में ले लिया। राठी ने गुरुवार को बंगलुरु में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ आयोजित विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। राठी शनिवार को जंतर-मंतर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने वाले थे। इस बीच, सीजेपी के प्रदर्शन को

देखते हुए दिल्ली पुलिस हाई अलर्ट पर है और राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सीजेपी के आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा की गई एक पोस्ट के अनुसार, शनिवार सुबह करीब आठ बजे सादे कपड़ों में लगभग 50 पुलिसकर्मी गुरुग्राम स्थित ध्रुव राठी के आवास पर पहुंचे और उन्हें हिरासत में ले लिया। इस बीच, दिल्ली की सीमाओं पर वाहनों की सघन

जांच की जा रही है। प्रदर्शन के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रिकॉर्ड करने के लिए पुलिसकर्मियों को बॉडी कैमरों से लैस किया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आवासों की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। प्रमुख स्थानों पर झेन के जरिए निगरानी की जा रही है। सुरक्षा उपायों के तहत सुप्रीम कोर्ट और मंडी हाउस सहित कई

मेट्रो स्टेशनों को भी बंद कर दिया गया है। प्रदर्शन से पहले सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने के लिए पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अनंत मित्तल आया नगर बॉर्डर पहुंचे। पुलिसकर्मी राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश करने वाले वाहनों की जांच कर रहे हैं, ताकि अनधिकृत व्यक्तिों को नई दिल्ली पहुंचने से रोका जा सके। समाचार एजेंसी आईएनएस से बातचीत में डीसीपी अनंत मित्तल

ने कहा, “सीजेपी द्वारा नई दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के आह्वान को देखते हुए दिल्ली और दक्षिण जिले में आवश्यक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। अंतरराज्यीय और अंतर-जिला सीमाओं पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। हम अनधिकृत तत्वों को नई दिल्ली में प्रवेश करने से रोक रहे हैं और उनकी जांच कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि सब कुछ शांतिपूर्ण रहे और कानून-व्यवस्था बनी रहे।”

युवा नौकरी मांगने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बनें: मंत्री सत्यकुमार

(पैन पॉवर न्यूज): विजयवाड़ा, 10 अक्टूबर: आंध्र प्रदेश के मंत्री सत्यकुमार यादव ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सभी क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की 25 वर्षों की प्रजनसेवा के उपलब्ध में भाजपा नेताओं ने शनिवार को विजयवाड़ा में राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इस अवसर पर मंत्री सत्यकुमार और भाजपा के आंध्र प्रदेश अध्यक्ष पीवीएन माधव ने चित्रकला सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सत्यकुमार ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र और दुनिया की अग्रणी आर्थिक शक्तियों में शामिल करना लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य विद्यार्थियों के हाथों में है और वे ही कल के राष्ट्र निर्माता तथा नेता होंगे। ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और देशभक्ति की भावना विकसित करने में सहायक होंगी।



भारत को हर क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी बनाने के लिए युवा करें प्रयास मंत्री सत्यकुमार ने कहा कि भारत को 1947 में स्वतंत्रता मिली थी और 2047 में देश स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे तब तक भारत को सभी क्षेत्रों में अग्रणी बनाने के लिए प्रयास करें। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी स्थिति लगातार मजबूत कर रहा है। देश के विकास में युवाओं के विचार, नवाचार और कौशल महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेजों, चिकित्सा शिक्षा की सीटों और उच्च शिक्षण संस्थानों के विस्तार से विद्यार्थियों के लिए अवसर बढ़ रहे हैं।

आईआईटी, आईआईएम और एम्स जैसे संस्थानों का विस्तार देश के मानव संसाधन विकास में योगदान दे रहा है। **भारत को निर्यात बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए** मंत्री सत्यकुमार ने कहा कि पीएम श्री स्कूल और अटल टिकरिंग लैब विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और रचनात्मकता विकसित करने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्किल इंडिया जैसी पहल नवाचार को प्रोत्साहित कर रही हैं। उन्होंने सेमीकंडक्टर, लिथियम बैटरी, दुर्लभ खनिज और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में घरेलू क्षमताओं को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने युवाओं से नए विचारों के आधार पर स्टार्टअप शुरू करने और दूसरों को रोजगार देने वाले उद्यमी बनने का आह्वान किया। सत्यकुमार ने कहा कि भारत को आयात पर निर्भरता कम करके निर्यात बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदार बनने के लिए अभी से तैयारी करें।

आंध्र प्रदेश के स्थानीय निकाय चुनाव: बीसी आरक्षण का नया गणित!

अमरावती, 10 अक्टूबर: आंध्र प्रदेश में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए गठबंधन सरकार ने समर्पित बीसी आयोग की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए पिछड़ा वर्ग (बीसी) के आरक्षण को सुरक्षित करने की दिशा में कदम उठाया है। राजीव रंजन मिश्रा आयोग की सिफारिशों को राज्य मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने से इन चुनावों में बीसी वर्ग के लिए 4,000 से अधिक अतिरिक्त पद उपलब्ध होने की संभावना है। अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित पदों को छोड़कर, विभिन्न श्रेणियों के 1.40 लाख से अधिक पदों पर बीसी आरक्षण लागू किए जाने की संभावना है। **बीसी वर्ग को मिलेंगे अतिरिक्त पद** शहरी और ग्रामीण स्थानीय निकायों में जनसंख्या के आधार पर आरक्षण लागू किए जाने से 38,000 से अधिक बीसी उम्मीदवारों को पद मिलने की संभावना है। वाईएसआरसीपी सरकार के कार्यकाल में हुए पिछले स्थानीय निकाय चुनावों में भी लगभग 33,000 बीसी उम्मीदवारों को अवसर मिला था। जिलों, वार्डों और डिवीजनों की संख्या में वृद्धि से स्थानीय चुनावों में बीसी वर्ग को अतिरिक्त प्रतिनिधित्व मिलने की संभावना है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने आश्वासन दिया है कि जिन श्रेणियों में आरक्षण 34 प्रतिशत से कम रहेगा, वहां गठबंधन की पार्टियां बीसी उम्मीदवारों को पद आवंटित करेंगी।

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू आंध्र प्रदेश के ‘वॉटर मैन’, कृष्णा डेल्टा के किसानों ने की सराहना

(पैन पॉवर न्यूज): अमरावती, 10 अक्टूबर: आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि पट्टीसीमा लिफ्ट सिंचाई परियोजना के माध्यम से पिछले 11 वर्षों में गोदावरी नदी का 500 टीएमसी पानी कृष्णा बेसिन में पहुंचाकर उसका प्रभावी उपयोग किया गया है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के जरिए जल प्रबंधन में मिली सफलता संतोषजनक है। उन्होंने गोदावरी का पानी लाने के प्रयासों में किसानों के सहयोग की सराहना भी की। शनिवार को कृष्णा डेल्टा के किसानों और सिंचाई संघों के

प्रतिनिधियों ने मंत्री निम्मला रामानायडू के साथ एपी सचिवालय में मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से मुलाकात की। **मुख्यमंत्री ने किसानों की सराहना की** किसानों ने पट्टीसीमा परियोजना के जरिए कृष्णा डेल्टा तक 500 टीएमसी पानी पहुंचाने के लिए चंद्रबाबू नायडू का आभार जताया। किसानों और सिंचाई संघों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। किसानों ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू ने कृष्णा डेल्टा को गोदावरी का पानी उपलब्ध कराया और श्रीशैलम में बचाए

गए कृष्णा नदी के पानी को रायलसीमा की ओर मोड़कर राज्य को जल सुरक्षा प्रदान की। उन्होंने सभी क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री को आंध्र प्रदेश का ‘वॉटर मैन’ बताया। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने भी पट्टीसीमा परियोजना से मिले पानी का उपयोग कर कृष्णा डेल्टा में भरपूर फसलें उगाने के लिए किसानों की सराहना की। **‘परियोजनाएं पूरी कर राज्य को जल सुरक्षा देंगे’:** मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री ने कहा कि नहरों का

विस्तार कर राज्य को अधिक लाभ पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पट्टीसीमा परियोजना की परिकल्पना ने क्षेत्र के किसानों की परेशानियां दूर करने और समृद्धि लाने में मदद की है। उन्होंने बताया कि कृष्णा बेसिन में गोदावरी के पानी का उपयोग करने से बचाए गए कृष्णा नदी के पानी को रायलसीमा में सिंचाई और पेयजल की जरूरतों के लिए भेजा जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि रायलसीमा में किआ जैसी प्रमुख औद्योगिक इकाइयों को भी पानी उपलब्ध कराया गया है। चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि



सिंचाई कैलेंडर के अनुसार परियोजनाओं को पूरा कर आंध्र प्रदेश में जल सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

15 नवंबर तक स्थानीय निकाय चुनाव पूरे करें: चंद्रबाबू का मंत्रियों को निर्देश

(पैन पॉवर न्यूज): अमरावती, 10 अक्टूबर: मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में हुई आंध्र प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में बीसी आरक्षण पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को स्थानीय निकाय चुनावों को गंभीरता से लेने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में बीसी आबादी का प्रतिशत काफी बढ़ा है। उन्होंने याद दिलाया कि एन.टी. रामाराव के कार्यकाल में बीसी वर्ग को 24 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि पिछली टीडीपी सरकार ने बीसी वर्ग को 34 प्रतिशत आरक्षण दिया था, जबकि बाद में आई सरकारें इस मुद्दे पर उचित निर्णय लेने में विफल रहीं। गठबंधन के चुनावों के लिए तैयार होने की बात कहते हुए

चंद्रबाबू ने मंत्रियों को 15 नवंबर तक स्थानीय निकाय चुनाव पूरे कराने और नियमित प्रशासनिक कामकाज पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि गठबंधन उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी प्रभारी मंत्रियों की होगी। उन्होंने तीनों गठबंधन दलों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया और प्रभारी मंत्रियों से स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार तालमेल बनाकर काम करने को कहा। उन्होंने कहा कि कोई भी सीट हारने की गुंजाइश नहीं है और गठबंधन को सभी सीटें जीतने का लक्ष्य रखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों से नए नेतृत्व को उभरने का अवसर मिलेगा। उन्होंने मंत्रियों और विधायकों

को चुनावों को गंभीरता से लेने का निर्देश दिया। चंद्रबाबू ने वाईएसआरसीपी अध्यक्ष वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने पहले लगभग 34 प्रतिशत बीसी आरक्षण व्यवस्था को समाप्त कर दिया और हाई कोर्ट द्वारा इसे रद्द किए जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट का रुख भी नहीं किया। उन्होंने गठबंधन सरकार द्वारा बीसी वर्ग को 34 प्रतिशत आरक्षण देने के प्रयासों के खिलाफ अदालत जाने पर विपक्ष की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी बीसी आरक्षण लागू करने में बाधा डाल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बीसी वर्ग को यथासंभव अधिक आरक्षण देने और पार्टी स्तर

पर 34 प्रतिशत सीटें आवंटित करने का प्रयास करेगी। उन्होंने दावा किया कि यदि वाईएसआरसीपी अदालत नहीं गई होती, तो 34 प्रतिशत आरक्षण लागू हो गया होता। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने आयोग गठित किए बिना ही 34 प्रतिशत आरक्षण का सरकारी आदेश जारी किया था, जिसके कारण हाई कोर्ट ने उसे रद्द कर दिया। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (८) के बाद तैयार होने वाली मतदाता सूची के आधार पर चुनाव कराने से संबंधित अदालत में दायर मामले का भी उल्लेख किया। **मुख्यमंत्री ने अन्य मुद्दों की भी समीक्षा की** चंद्रबाबू ने मंत्रियों को निर्देश दिया कि एल नीनो की अवधि में आम लोगों को किसी प्रकार

की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि राज्य में वर्षा की कमी 34 प्रतिशत होने के बावजूद पिछले वर्ष पानी का भंडारण किए जाने से इस साल स्थिति को कुछ हद तक संभालने में मदद मिली है। उन्होंने मंत्रियों से केवल दर्शक बनकर नहीं रहने, नई बातें सीखने और केंद्र सरकार के संबंधित विभागों के मंत्रियों के संपर्क में रहने को कहा। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्य के लिए विधायकों को सोमवार और मंगलवार को धनराशि जारी की जाएगी। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए एक करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे। बैठक के दौरान अधिकारियों ने बीसी आरक्षण पर राजीव रंजन मिश्रा आयोग की रिपोर्ट का विवरण भी प्रस्तुत किया।

संपादकीय

सेवा की कहानी

सेवा संकल्प अभियान के तहत ‘सेवा की कहानी’ में जनकल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीण परिवारों की रोजमर्रा की जिंदगी में आ रहे बदलाव सामने आ रहे हैं। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत बकिरमा के बटोरबुड़ा निवासी श्रीमती आराधना तिग्गा के परिवार के लिए घर में बना शौचालय ऐसी ही सुविधा लेकर आया है, जिसने उनकी दैनिक दिनचर्या को आसान बनाया है। पहले परिवार के सदस्यों को शौच के लिए घर से बाहर जाना पड़ता था। बरसात में कीचड़ भरे रास्तों के कारण यह परेशानी और बढ़ जाती थी। अब घर में शौचालय उपलब्ध होने से परिवार को इस असुविधा से राहत मिली है। आराधना तिग्गा बताती हैं कि पहले परिवार के सभी सदस्यों को शौच के लिए घर से बाहर जाना पड़ता था। सामान्य दिनों में भी यह असुविधाजनक था, लेकिन बारिश के मौसम में रास्तों में कीचड़ और पानी भर जाने से परेशानी बढ़ जाती थी। कई बार मौसम खराब होने के बावजूद बाहर जाना पड़ता था। अब घर में शौचालय बन जाने से यह परेशानी पूरी तरह दूर हो गई है। परिवार के सदस्य आवश्यकता के अनुसार घर में ही शौचालय का उपयोग कर रहे हैं। आराधना ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से उनके नाम पर शौचालय का निर्माण कराया गया। परिवार के सभी सदस्य इसका नियमित उपयोग कर रहे हैं। घर में शौचालय की उपलब्धता ने आराधना के हिलसे आवास्यकता नहीं रह गई है और स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने में भी मदद मिली है। वे कहती हैं कि शौचालय उनके परिवार के लिए केवल एक निर्माण नहीं, बल्कि रोजमर्रा की एक जरूरी सुविधा है। इससे समय और श्रम की बचत के साथ घर के आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में भी सहूलियत हुई है। घर में शौचालय की उपलब्धता ने आराधना के परिवार की दिनचर्या को अधिक सुविधाजनक बनाया है। खुले में शौच की परेशानी से राहत मिलने के साथ परिवार स्वच्छता के प्रति भी अधिक सजग हुआ है। खासतौर पर बरसात के दिनों में कीचड़ और बारिश के बीच बाहर जाने की मजबूरी खत्म होना उनके लिए बड़ी राहत है। आराधना तिग्गा ने शौचालय की सुविधा मिलने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि घर में शौचालय बनने से परिवार को सुविधा मिली है और बरसात के दिनों की परेशानी दूर हुई है। आराधना तिग्गा की यह ‘सेवा की कहानी’ बताती है कि स्वच्छता से जुड़ी एक बुनियादी सुविधा भी ग्रामीण परिवार के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है। घर में शौचालय ने जहां खुले में जाने की परेशानी दूर की, वहीं परिवार को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक जीवनशैली अपनाने का सबल भी दिया।

मौन से निकली वह आवाज, जो समाज को दिशा देती रही

हर दौर में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जिनकी पहचान उनके शब्दों से कम और उनके जीवन से अधिक होती है। वे बहुत कुछ कहने के बजाय अपने आचरण से समाज को सोचने की एक नई दिशा देते हैं। आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज का जीवन भी ऐसी ही प्रेरणा का उदाहरण है। उन्होंने प्रसिद्धि की तलाश नहीं की, किसी पद की इच्छा नहीं की और अपने लिए किसी सम्मान की मांग भी नहीं की। लेकिन उनका जीवन शिक्षा, सेवा, आत्मनिर्भरता, करुणा और मानवीय मूल्यों से जुड़े ऐसे विचार छोड़ गया, जिन पर आज भी समाज सौच सकता है। आज का समय तेज आवाजों और लगातार दिखाई देने वाली मौजूदगी का समय है। हर व्यक्ति अपनी बात अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना चाहता है। सोशल मीडिया ने प्रसिद्धि की रफ्तार जरूर बढ़ा दी है, लेकिन उसका असर कई बार उल्टी ही तेजी से कम भी हो जाता है। ऐसे समय में आचार्य विद्यासागर जी का जीवन एक अलग संदेश देता है—समाज पर गहरा प्रभाव डालने के लिए हमेशा बहुत बोलना या दिखाई देना जरूरी नहीं होता। कई बार शांत जीवन और सादगी से जिया गया जीवन भी आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ी प्रेरणा बन जाता है। वे कम बोलते थे, लेकिन उनका जीवन बहुत कुछ कहता था। उन्होंने कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं चलाया, फिर भी सामाजिक सौच को प्रभावित किया। कोई सरकारी पद नहीं संभाला, लेकिन शिक्षा, रोजगार, भाषा, संस्कृति, आत्मनिर्भरता, चिकित्सा और नैतिक जीवन जैसे विषयों पर उनकी दृष्टि व्यापक चर्चा का हिस्सा बनी। उन्होंने अपने लिए बहुत कम चाहा, लेकिन समाज के लिए कई ऐसे विचार छोड़े, जिन पर आज भी विचार किया जा सकता है। इसीलिए उनका स्मरण केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है यह उस भारत के बारे में सोचने का अवसर भी है, जो अपने महान व्यक्तित्वों को किस आधार पर पहचानता है और उन्हें राष्ट्रीय स्मृति में किस स्थान पर रखता है। 10 अक्टूबर 1946 को कर्नाटक के बेलगावी जिले के सल्लगा गांव में शरद पूर्णिमा की रात विद्याधर अय्यो का जन्म हुआ। सामान्य परिवारिक और सांस्कृतिक वातावरण से निकला यह बालक आगे चलकर भारतीय आध्यात्मिक परंपरा के प्रमुख नामों में शामिल हुआ। 22 वर्ष की आयु में उन्होंने सांसारिक जीवन का त्याग किया। 30 जुन 1968 को अंजनेर में आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज से दिवंगत जैन मुनि दीक्षा ग्रहण की। इसके चार वर्ष बाद, 22 नवंबर 1972 को उन्हें आचार्य पद प्रदान किया गया। इसके बाद उनका जीवन अनुशासन, साधना और आत्मसंन्यास की एक लंबी यात्रा बन गया। पैदल यात्राएँ, सीमित आवश्यकताएँ और कठिन साधना उनकी दिनचर्या का हिस्सा रहीं। लेकिन इस तपस्या ने उन्हें समाज से दूर नहीं किया। इसके विपरीत, समाज और उसके बीच मौजूद जरूरतों को समझने की उनकी दृष्टि और गहरी होती गई। उनके लिए अध्यात्म केवल व्यक्तिगत साधना तक सीमित नहीं था। उसमें समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी शामिल था। शिक्षा कैसी हो, युवाओं को किस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कैसे मजबूत किया जा सकता है, महिलाओं को सम्मानजनक रोजगार के अवसर कैसे मिलें, भारतीय भाषाओं का महत्व कैसे बढ़े और विकास के साथ सवेदनशीलता कैसे बनी रहे—ये सभी विषय उनके चिंतन का हिस्सा रहे। आत्मनिर्भरता पर उनका जोर विशेष रूप से उल्लेखनीय था। चरखा और हथकरघे से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देने के पीछे केवल रोजगार की सोच नहीं थी। इसके साथ श्रम के सम्मान और अपने पैरों पर खड़े होने का विचार भी जुड़ा था। ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं के लिए परिशिक्षण और आजीविका के अवसरों से जुड़े प्रयास इसी सोच को आगे बढ़ाते दिखाई देते हैं। चरखा उनके लिए सिर्फ एक साधन नहीं था। वह अपने श्रम पर भरोसा करने और आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का प्रतीक भी था। यही सोच जेलों तक भी पहुंची। कोशल और हथकरघा जैसी गतिविधियों के जरिए बंदिशों को उपयोगी काम से जोड़ने की पहल के पीछे भी यही विचार था कि किसी व्यक्ति को हमेशा सहायता का पात्र बनाकर रखना समाधान नहीं है। उसे अपनी क्षमता पहचानने और अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर देना ज्यादा जरूरी है। उनका व्यक्तित्व साहित्य और ज्ञान से भी गहराई से जुड़ा था। अनेक धार्मिक भाषाओं से परिचित इस संत ने अपने आध्यात्मिक चिंतन को साहित्य का रूप भी दिया। उनकी चर्चित कृति ‘मूकमाटी’ जीवन, चेतना और भीतर के बदलाव पर गंभीर विचार सामने रखती है। इस रचना का अंग्रेजी अनुवाद भी सामने आया और राष्ट्रपति भवन में इसका विमोचन हुआ। यह तथ्य भी बताता है कि उनका साहित्य धार्मिक दायरे से बाहर निकलकर व्यापक बौद्धिक और सांस्कृतिक क्षेत्र तक पहुंचा। शिक्षा को लेकर भी उनकी सोच व्यापक थी। वे केवल डिग्री हासिल करने को शिक्षा का अंतिम लक्ष्य नहीं मानते थे। उनके लिए शिक्षा का असली अर्थ—ज्ञान—आने के साथ चरित्र, संवेदना और जिम्मेदारी का विकास। बालिकाओं के लिए मूल्य आधारित शिक्षा की दिशा में काम करने वाली संस्थाओं की भी इसी सोच से प्रेरणा मिली। प्रतिभास्थल ज्ञानोदय विद्यापीठ जैसे प्रयास शिक्षा को संस्कार, संस्कृति और आत्मनिर्भरता से जोड़ने की कोशिश करते हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी उनका दृष्टिकोण सेवा से जुड़ा रहा। चिकित्सा को केवल एक पेशे के रूप में देखने के बजाय मानव सेवा का माध्यम मानने की भावना उनके विचारों में दिखाई देती है।

अखिलेश यादव : संघर्ष से सत्ता तक—राजनीति के पुरोधा



रतीय राजनीति में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जिनकी पहचान केवल पद या चुनानी सफलता से नहीं होती। उनकी पहचान उनकी राजनीतिक दृष्टि, जनसरोकार, संगठन क्षमता और बदलते समय को समझने की योग्यता से बनती है। अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश की राजनीति में ऐसे ही प्रमुख नेताओं में शामिल हैं। राजनीतिक विरासत को उन्होंने युवा ऊर्जा, आधुनिक विकास-दृष्टि और सामाजिक न्याय के साथ जोड़कर अपनी अलग राजनीतिक पहचान बनाने का प्रयास किया है। संसद से राजनीतिक यात्रा शुरू करने के बाद वर्ष 2012 में अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली। कम उम्र में देश के सबसे बड़े राज्यों में से एक का नेतृत्व करना उनके लिए बड़ी चुनौती थी। उनके कार्यकाल में विकास, तकनीक, आधारभूत ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण से जुड़ी अनेक योजनाएं चर्चा में रहीं। उनके शासनकाल की प्रमुख उपलब्धियों में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे

महत्वपूर्ण रहा। इस परियोजना ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के बीच बेहतर सड़क संपर्क की दिशा में आधार तैयार किया। इसी प्रकार लखनऊ मेट्रो ने राजधानी में आधुनिक सार्वजनिक परिवहन की शुरुआत को गति दी। इन परियोजनाओं में यह सोच दिखाई देती है कि आधारभूत ढांचा केवल सुविधा नहीं, बल्कि आर्थिक गतिविधि और विकास का माध्यम भी है। युवा वर्ग को तकनीक से जोड़ने के लिए लैपटॉप वितरण योजना उनकी सरकार की सबसे चर्चित पहलों में रही। विद्यार्थियों को तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराने की इस योजना ने शिक्षा और डिजिटल भविष्य के बीच संबंध को राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनाया। कन्या विद्याधन योजना जैसी पहलों के माध्यम से शिक्षा को प्रोत्साहन देने का प्रयास भी किया गया। स्वास्थ्य के क्षेत्र में 108 समाजवादी स्वास्थ्य सेवा और 102 एंबुलेंस सेवा जैसी व्यवस्थाओं का विस्तार किया गया। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सामाजिक सुरक्षा देने के लिए समाजवादी पेंशन योजना भी लागू की गई। वहीं गोमती रिवर फ्रंट परियोजना ने लखनऊ के शहरी विकास और सौंदर्यीकरण को एक अलग पहचान देने का प्रयास किया। इन योजनाओं को एक साथ देखा जाए तो अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री कार्यकाल की प्रमुख दिशा स्पष्ट दिखाई देती है—आधुनिक बुनियादी ढांचा, तकनीक, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण। उनकी राजनीति का दूसरा महत्वपूर्ण आधार सामाजिक न्याय रहा है। समाजवादी राजनीतिक परंपरा से जुड़े होने के कारण सामाजिक कल्याण से जुड़ी अनेक योजनाएं चर्चा में रहीं। उनके शासनकाल की प्रमुख उपलब्धियों में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे



न्याय की राजनीति को आधुनिक विकास, रोजगार और नई पीढ़ी की आकांक्षाओं से जोड़ा जाए। ‘विरासत रास्ता दिखा सकती है’, लेकिन नेतृत्व अपनी राह स्वयं बनाता है। अखिलेश यादव की राजनीतिक यात्रा को इसी दृष्टि से देखा जा सकता है। राजनीतिक विरासत ने उन्हें प्रारंभिक आधार दिया, लेकिन मुख्यमंत्री के रूप में शासन और बाद में विपक्ष में संघर्ष ने उनकी अपनी राजनीतिक पहचान को आकार दिया। वर्ष 2017 के बाद सत्ता से बाहर रहना उनके लिए राजनीतिक परीक्षा का दौर था। इस दौरान संगठन को सक्रिय रखना, कार्यकर्ताओं का मनोबल बनाए रखना और नए राजनीतिक समीकरण तैयार करना उनकी प्रमुख चुनौतियां रहीं। इसी संघर्ष का महत्वपूर्ण परिणाम 2024 के लोकसभा चुनाव में सामने आया। समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में 37 लोकसभा सीटें जीतकर राज्य में सर्वाधिक राजनीतिक परंपरा से जुड़े होने के कारण यादव के नेतृत्व को नई राजनीतिक मजबूती दी और राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका को अधिक महत्वपूर्ण बनाया। 2024 की यह

सफलता केवल सीटों की संख्या नहीं थी। सत्ता से बाहर रहने के बाद किसी राजनीतिक दल की मजबूत वापसी संगठन, नेतृत्व, सामाजिक समर्थन और चुनौती रणनीति की क्षमता को भी दर्शाती है। इस परिणाम ने अखिलेश यादव को राष्ट्रीय विपक्षी राजनीति में अधिक प्रभावशाली स्थान दिलाया। आज अखिलेश यादव की राजनीति के सामने सबसे बड़ी चुनौती बदलती युवा आकांक्षाओं को समझने की है। युवा रोजगार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, तकनीक, उद्यमिता और बेहतर भविष्य चाहता है। किसान बेहतर आय और बाजार चाहता है। गरीब परिवार सामाजिक सुरक्षा के साथ सम्मानजनक जीवन चाहता है। इसलिए आने वाली राजनीति में केवल राजनीतिक समीकरण पर्याप्त नहीं होंगे; ठोस विकास-दृष्टि भी आवश्यक होगी। अखिलेश यादव की राजनीतिक सोच में आधुनिक विकास और सामाजिक न्याय का संयोजन दिखाई देता है। एक्सप्रेसवे और मेट्रो आधुनिक आधारभूत ढांचे का प्रतीक हैं, लैपटॉप योजना तकनीकी पहुंच का और सामाजिक कल्याण की

मां, त्राहिमांम-त्राहिमांम !

पापाचार, अत्याचार, भ्रष्टाचार और प्राकृतिक आपदाओं से त्रस्त समाज को मां दुर्गा की शक्ति, करुणा और न्याय की आवश्यकता मां का अभिप्राय केवल ‘मां’ से ही हो सकता है। न उसका कोई वास्तविक पर्याय है और न ही उसके वात्सल्य की कोई सीमा। मां के दर्द को मां ही समझ सकती है। और जब बात जगज्जननी मां दुर्गा की हो, तो उनका स्वरूप करुणा, ममता, शक्ति और न्याय का अद्भुत संगम बन जाता है। जगज्जननी माता दुर्गा का प्रकटय देवताओं के कल्याण, भक्तों को अभयदान देने और असुर शक्तियों का विनाश करने के लिए हुआ है। उनका उद्देश्य अपने बच्चों का मंगल करना, उनके विघ्न दूर करना और उनके जीवन को सुखमय बनाना है। इसी भाव को ध्यान में रखते हुए दुर्गा सप्तशती में कहा गया है-‘चित्ते कृपा समर निचुरता च।’ अर्थात मां के हृदय में करुणा है, लेकिन धर्म और न्याय की रक्षा के लिए युद्ध के समय वे निचुर भी हो जाती हैं। उनके व्यक्तित्व में ममता और दुष्ट शक्तियों के विनाश का यह अद्भुत समन्वय दिखाई देता है।

देवी भागवत पुराण में महाशक्ति का व्यापक स्वरूप
देवी के विविध स्वरूपों और उनकी महिमा का विस्तृत वर्णन देवी भागवत पुराण में मिलता है। महर्षि वेदव्यास रचित इस पुराण में देवी की उपासना, उनकी शक्ति, सृष्टि की उत्पत्ति और जात के संचालन से संबंधित अनेक प्रसंग हैं। इसमें आदिशक्ति के विभिन्न रूपों का वर्णन करते हुए बताया गया है कि

वे ही सृष्टि की उत्पत्ति, पालन और संहार की मूल शक्ति हैं। देवी भागवत पुराण के नवम स्कंध में देवी के अनेक स्वरूपों का उल्लेख मिलता है। इनमें दुर्गा, राधा, लक्ष्मी, सरस्वती और सावित्री के रूप प्रमुख हैं। गंगा, तुलसी, शष्ठी, मंगलचंडिका, काली, स्वाहा, स्वधा, पुष्टि, तुष्टि और संपत्ति आदि को भी देवी की विभिन्न शक्तियों के रूप में देखा गया है। इस पुराण के श्रवण के लिए किसी विशेष महीने या दिन का बंधन नहीं है। फिर भी आश्विन, चैत्र, वैशाख और ज्येष्ठ के महीनों तथा नवरात्र के अवसर पर इसका श्रवण विशेष फलदायी माना गया है। विद्या, धन, बल और ऐश्वर्य को भी इसी पाराशक्ति की कृपा से प्राप्त होने वाला बताया गया है। **देवी की आराधना से मिलती है मुक्ति**
मां भगवती की उपासना के लिए शास्त्रों में विभिन्न विधियों और उपचारों का वर्णन किया गया है। देवी की कृपा प्राप्त करने के लिए भक्त मंत्रों के माध्यम से उनका आह्वान करते हैं और श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना करते हैं। दुर्गा सप्तशती में महर्षि मार्कण्डेय द्वारा राजा सुरथ और समाधि वैश्य के प्रसंग के माध्यम से देवी की आराधना का महत्व बताया गया है। उनकी विपत्तियों को दूर करने के लिए देवी की उपासना को महत्वपूर्ण साधन बताया गया है। इसी संदर्भ में कहा गया है— **‘सैषा प्रसन्ना वरदा नृणां भवति मुक्तये।’** अर्थात वरदान देने वाली भगवती प्रसन्न होकर मनुष्यों की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। यह संदेश देता है कि श्रद्धा, साधना और सद्दर्भ के माध्यम से मनुष्य विपरीत परिस्थितियों में भी आत्मबल प्राप्त कर सकता है।

एक ही महाशक्ति के अनेक रूप



दुर्गा सप्तशती में देवी को संपूर्ण जगत में व्याप्त एकमात्र महाशक्ति बताया गया है। दशम अध्याय में जब शुंभ देवी से कहता है कि वे दूसरी शक्तियों के सहारे युद्ध कर रही हैं, तब देवी की उपासना को महत्वपूर्ण साधन बताया गया है। इसी संदर्भ में कहा गया है— ‘एकैवाहं जगत्पत्र द्वितीया का ममापरा। पश्यतां दुष्ट मद्भिभूतयो मद्भिभूतयः।’ इस श्लोक का भाव यह है कि इस संसार में देवी के अतिरिक्त दूसरी कोई स्वतंत्र परमशक्ति नहीं है। जो अन्य शक्तियां दिखाई देती हैं, वे भी उन्हीं की विभूतियां हैं और अंततः उन्हीं में समाहित हो जाती हैं। देवी के इस कथन में अद्वैत का गहरा संदेश निहित है। शक्ति के अनेक रूप होने के बावजूद उनका

मूल एक ही है। ब्रह्मा द्वारा की गई देवी-स्तुति में भी उन्हें स्वाहा, स्वधा, वषट्कार, जीवनदायिनी सुधा और प्रणव ‘?’ की तीन मात्राओं के स्वरूप में वर्णित किया गया है। **सर्गण और निर्गुण, दोनों रूपों में मां**
भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में परमशक्ति को कोई सर्गुण मानता है, तो कोई निर्गुण। दोनों ही धाराएं एक ही परम सत्ता के अलग-अलग स्वरूपों को व्यक्त करती हैं। जब शक्ति सृष्टि के कार्यों में सक्रिय दिखाई देती है, तब उसे सर्गुण स्वरूप में समझा जाता है। जब वही शक्ति समस्त क्रियाओं से परे परम तत्त्व के रूप में मानी जाती है, तब उसे निर्गुण कहा जाता है। भक्त मां को जिस रूप में स्मरण करता है, उसी रूप में उनकी आराधना करता है। गोलोक में वे श्रीराधा, साकेत में सीता और क्षीरसागर में लक्ष्मी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। वे सती, उमा और आदिशक्ति के रूप में भी पूजित हैं। वैष्णव, शैव, गाणपत्य, सौर और ब्रह्मवादी परंपराओं में देवी-वेदताओं के विविध स्वरूपों के माध्यम से इसी परम सत्ता की उपासना की जाती है। मां ही सृष्टि की रचना करने वाली, उसका पालन करने वाली और आवश्यकता पड़ने पर उसका संहार करने वाली आदिशक्ति हैं। वे देवताओं के कल्याण, भक्तों की रक्षा और आसुरी प्रवृत्तियों के विनाश के लिए प्रकट होती हैं। **दस महाविद्याओं में निहित है शक्ति का विराट स्वरूप**
धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब भगवान सदाशिव ने माता सती को उनके पिता दक्ष के यज्ञ में जाने से रोकने का प्रयास किया, तब माता सती अपने निर्णय पर अडिग रहीं। इस प्रसंग में उनके दस महाविद्या स्वरूपों के

प्रकटय का वर्णन मिलता है। ये दस महाविद्याएं हैं—काली, तारा, छिन्नमस्ता, षोडशी, भुवनेश्वरी, त्रिपुर भैरवी, धूम्रावती, बगलामुखी, मातंगी और कमला। इन दस महाविद्याओं में महाकाली को मूल शक्ति का प्रमुख स्वरूप माना जाता है। दुर्गा सप्तशती में जब देवताओं की स्तुति से प्रसन्न होकर मां दुर्गा प्रकट होती हैं, तब उनके तेज और सौंदर्य का अद्भुत वर्णन मिलता है। देवी का यह स्वरूप बताता है कि करुणा और शक्ति परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि धर्म की रक्षा के लिए एक-दूसरे के पूरक हैं। **शिव भी शक्ति के बिना अधूरे**
भारतीय दर्शन में शिव और शक्ति को एक-दूसरे का पूरक माना गया है। शक्ति के बिना शिव को निष्क्रिय और शव के समान बताया गया है। इस विचार को व्यक्त करने वाले श्लोकों का भाव है कि शक्ति के संयोग से ही शिव सृजन, पालन और कल्याण के कार्य करने में समर्थ होते हैं। ब्रह्मा की देवी-स्तुति में भी उन्हें संपूर्ण ब्रह्मांड को धारण करने वाली शक्ति कहा गया है। उन्हीं से जगत की उत्पत्ति होती है और उन्हीं से उसका पालन होता है। वे महामाया, महाविद्या, महामेधा, महास्मृति और बुद्धिस्वरूप हैं। वे कालरात्रि भी हैं और कल्याण प्रदान करने वाली शक्ति भी। इस प्रकार भगवती नित्य होते हुए भी जगत की रक्षा के लिए विभिन्न रूपों में प्रकट होती हैं। मान्यता है कि जब मनुष्य के जीवन में उन्नति और समृद्धि आती है, तब मां लक्ष्मी के रूप में घर में विराजमान होकर कल्याण करती हैं। वर्तमान समय में देश और समाज अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है।

आज का राशि फल

मेष राशि: आज का दिन जीवन में मील का पथर साबित होगा। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। आज खास लोगों के बीच किसी नई गतिविधि को लेकर गंभीर चर्चा होगी, जो कि सकारात्मक रहेगी। आपकी मामले को लेकर विचारों में भावुकता रहेगी। आज कुछ लोग जलन की भावना से आपकी आलोचना कर सकते हैं।

वृष राशि: आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज व्यवसायिक काम समय पर बनते जाएंगे। विदेश संबंधी व्यवसाय में बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। थोड़ी सी बात पर परेशान होने के बजाय उसका हल ढूंढने की कोशिश करेंगे तो आपको सलूलशन मिल जायेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

सिंह राशि: आज आपका दिन



समय बीतेगा। प्रॉपर्टी या वाहन की खरीददारी में लाभ की बेहतर स्थिति बनेगी। आध्यात्म और धार्मिक गतिविधियों में आपका रुझान बढ़ेगा। **कर्क राशि:** आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। थोड़ी सी बात पर परेशान होने के बजाय उसका हल ढूंढने की कोशिश करेंगे तो आपको सलूलशन मिल जायेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

अच्छा रहेगा। आज व्यवसाय में अतिरिक्त आय का साधन बनने वाला है। अगर आपका साझेदारी में बिजनेस करने का प्लान है तो ये डील आपके लिए फायदेमंद होगी। अधिकतर समय मार्केटिंग और बाहर की गतिविधियों में बीतेगा। इस राशि के सरकारी नौकरी कर रहे लोग अपने कार्यभार से संतुष्ट रहेंगे। आपको घर के बड़े से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा।

कन्या राशि: आज आपका दिन बेहतरिन रहने वाला है। आज ध्यान रखें कि अगर प्रयासरत कार्यों में समस्या आती है तो इसकी वजह

आपकी एकाग्रता में कमी होगी। आज सम्मानित और प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आने से आपको कई नए विषयों की जानकारी मिलेगी। आज घर के लिए इलेक्ट्रॉनिक वस्तु की खरीदारी संभव है। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। तुला राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वचस्व रहेगा। प्रॉपर्टी से संबंधित काम हल होगा। आज नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और आलस की स्थिति से बचेंगे तो आपका काम समय से पूरा हो जायेगा।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज कार्यों को सुचारु रूप से करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी होगी। हालांकि सही समय पर उचित निर्णय लेने से आपकी कामी समस्याएं हल हो

जाएंगी। इस समय नया कार्य शुरू करें, आज के कार्मों को ही व्यवस्थित करने पर ध्यान देंगे। ऑफिस में आपका प्रभुत्व बना रहेगा। नवविवाहित दंपति के बीच आज मीठी नोक-झोंक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है। **धनु राशि:** आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज जल्दबाजी में फैसला न लें, न ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनायेंगे। साथ ही आय बढ़ाने के लिए नया प्लान बनायेंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनायेंगे। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज बहुत अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज आप लेनदेन को

स्थगित रखेंगे तो आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। इस राशि के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपकी ऑफिशियल यात्रा संभव है। **कुंभ राशि:** आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपका दिन खुशनुमा बीतेगा। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगे। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संपलंकर करने की जरूरत है, आपके काम की शिकायत कर सकता है। आज किसी से भी उलझने से आपको बचना चाहिए। **मीन राशि:** आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुये है। आज व्यक्तितगत काम के समय आप घरवानी की बजाय परिस्थितियों का समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे और इसमें आप सफल भी होंगे। परिवारिक सदस्य की किसी उपलब्धि से घर में उत्सव का माहौल रहेगा। मार्केटिंग की जाँच कर रहे लोगों से आज अच्छा ब्लाइट जुड़ेगा।

अखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर निशाना बोले- किसी के रोके नहीं रुकेगा, अब दिल्ली में देश जुटेगा

लखनऊ, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने युवाओं के आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि ताकत के बल पर जनता को रोकने की कोशिश सरकार की बड़ी भूल साबित होगी। अखिलेश ने कहा कि अब दिल्ली में देश जुटेगा और जंतर-मंतर एक नई चेतना व जागरण का प्रतीक बन गया है।

अखिलेश यादव ने अपनी पोस्ट में लिखा, “किसी के रोके नहीं रुकेगा, अब दिल्ली में देश जुटेगा। हम देश की युवा ऊर्जा के साथ हैं।” उन्होंने आगे कहा कि यदि भाजपा सरकार यह समझ रही है कि वह ताकत के बल पर जनता को रोक लेगी, तो यह उसकी और भी बड़ी भूल साबित होगी। उनके मुताबिक, जंतर-मंतर अब केवल एक जगह का नाम नहीं, बल्कि नई चेतना और जागरण का प्रतीक बन गया है।

पिता पर बेटे और बहू को तलवार से घायल करने का आरोप, दोनों अस्पताल में भर्ती

पटना, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना में घरेलू विवाद के दौरान पिता द्वारा अपने ही बेटे और बहू पर तलवार से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में पति-पत्नी दोनों घायल हो गए हैं। घायलों की पहचान राजेश सिंह (लगभग 40 वर्ष) और उनकी पत्नी निक्की देवी (लगभग 35 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों का इलाज विजय नगर, कंकड़वाग स्थित एक निजी अस्पताल में चल रहा है। घटना मेहंदीराज थाना क्षेत्र के उदाहमपुर इलाके की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, करीब 70 वर्षीय कृष्णा सिंह पर अपने बेटे राजेश सिंह और बहू निक्की देवी पर धारदार हथियार से हमला करने का आरोप है। घटना के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है। हालांकि, विवाद की वास्तविक वजह और घटना से पहले क्या हुआ था, इसकी पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। घायल राजेश सिंह ने अपनी आपबीती बताते हुए दावा किया कि शनिवार सुबह वह अपनी पत्नी के साथ सो रहे थे।

यूपी पंचायत चुनाव पर हाईकोर्ट सरख्त बोला- दफ्तर में बैठकर बनाई ओबीसी आयोग ने रिपोर्ट, 11 याचिकाओं पर सुनवाई



प्रयागराज, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव समय पर कराने की मांग को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल 11 याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान अदालत ने ओबीसी आयोग की रिपोर्ट पर असंतोष जताया। हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि ऐसा लगता है कि आयोग ने फ़ीलड में जाकर पिछड़ेपन का आकलन करने के बजाय दफ्तर में बैठकर रिपोर्ट तैयार कर दी है। करीब सवा घंटे चली सुनवाई में अदालत ने रिपोर्ट की प्रक्रिया पर सवाल उठाए और पक्षों से जवाब मांगा। अब इस मामले में फिर सुनवाई 12 अक्टूबर दिन सोमवार को होगी। प्रयागराज स्थित इलाहाबाद हाईकोर्ट में पंचायत चुनाव से संबंधित 11 याचिकाओं पर

चावल घोटाला, ईडी ने 1.09 करोड़ की संपत्ति की जब्त सरकार को 3.79 करोड़ नुकसान का आरोप



पटना, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में धान की मिलिंग और सरकारी चावल की आपूर्ति में कथित गड़बड़ी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कार्रवाई की है। ईडी ने शेखपुरा के एरिना फूड एंड एग्री इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड और उससे जुड़े लोगों की 1 करोड़ 9 लाख 26 हजार 808 रुपये की अचल संपत्तियों को अस्थाई रूप से जब्त किया है। यह कार्रवाई धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए)- 2002 के तहत की गई है। मामले में कंपनी के निदेशक श्रीकृष्ण कुमार, शोभा कुमारी, कन्हैया कुमार और कुबेर कश्यप से जुड़ी संपत्तियां कार्रवाई के दायरे में आई हैं। शोभा कुमारी मुख्य आरोपी राधे शर्मा की पत्नी हैं, जबकि कन्हैया कुमार और कुबेर कश्यप उनके बेटे हैं।

ईडी की जांच बिहार राज्य खाद्य निगम (बीएसएफसी) से संबंधित एक प्राथमिकी के आधार पर शुरू हुई थी। प्राथमिकी में आरोप है कि एरिना फूड एंड एग्री इंडस्ट्रीज ने वित्तीय वर्ष 2012-13 में बीएसएफसी से 63,092.45 क्विंटल धान प्राप्त किया था। 67



आंदोलनकारियों को रोकने पर दी चेतावनी

सपा प्रमुख ने अपनी पोस्ट में कहा कि यदि सरकार आंदोलनकारियों को रोकने का प्रयास करेगी, तो देश में हर जगह जंतर-मंतर बन

जाएगा। उनके इस बयान को युवाओं के आंदोलन के समर्थन और सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाने के रूप में देखा जा रहा है।

अखिलेश ने अपनी पोस्ट में कविता के जरिए भी युवाओं के हौसले और तैयारी का जिक्र किया। उन्होंने लिखा-

“माना बादशाहों का बंदोबस्त है बख्तरबंद, पर उन्होंने देखा न नौजवानों का दमखम। यहां हौसलों की भी तैयारी है चाकचौबंद, है साथ सब, मानकर इसकी अंतिम जंग।”

अखिलेश यादव के इस बयान में युवाओं की एकजुटता, आंदोलन और सरकार के रवैये को लेकर उनका राजनीतिक रुख सामने आया है। हालांकि, पोस्ट में जिस आंदोलन का उल्लेख किया गया है, उससे जुड़े घटनाक्रम और सरकार की प्रतिक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है।

अभिजीत दिपके, ध्रुव राठी समेत 500 से ज्यादा प्रदर्शनकारी डिटेल

रोहिणी बोलीं- क्रांति की लहर को कब तक रोक पाओगे?



लिखा, 'डराओ मत, धमकाओ मत, अब देश जाग चुका है। तानाशाही के खिलाफ देश का युवा अब सड़कों पर आ चुका है'। रोहिणी आचार्य इतने पर ही नहीं रुकीं। उन्होंने ताबड़तोड़ चार एक्स पर पोस्ट शेयर किए। एक और पोस्ट में रोहिणी आचार्य ने लिखा,



'सच बोलने वाली आवाज को जब-जब तुम दबाओगे। देश के हर कोने में तुम कई ध्रुव राठी और सौरभ पाओगे'। इस तरह से रोहिणी आचार्य ने पुलिस की कार्रवाई पर उमककर भड़ास निकाला। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला भी बोला।

पहले पत्नी ने ख़ाया जहर, फिर फंटे पर लटका पति; पारिवारिक कलह में गई दोनों की जान

रामपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के रामपुर में पारिवारिक कलह ने एक हंसते-खेलते किसान परिवार की खुशियां छीन ली। मिलक कोतवाली क्षेत्र के पटिया गांव में पहले 40 साल की पत्नी ने जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजन उसे बरेली के निजी अस्पताल ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। पत्नी की मौत की खबर से सदमे में आए 45 वर्षीय किसान ने भी फांसी लगा जान दे दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पटिया गांव का रहने वाला राजेंद्र प्रसाद खेती करता था। दोपहर करीब 3 बजे पारिवारिक कलह के चलते उसकी पत्नी रंपा देवी ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया।

हालत बिगड़ने पर परिजन उसे मिलक के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उसे बरेली के निजी अस्पताल ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। पत्नी की मौत की खबर मिलते ही घर पर राजेंद्र ने भी फांसी लगाकर जान दे दी। एक ही दिन में दंपती की मौत से परिवार में चीख-पुकार मच गई। सीओ राजवीर सिंह परिहार ने बताया कि जांच के लिए पुलिस टीम भेजी गई है। घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

अनंत सिंह की बगावत ने उड़ाई जेडीयू की नींद

बोले- 'विधान परिषद चुनाव में अनुज सिंह के लिए ही प्रचार करूंगा'



खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बाहुबली अनंत सिंह की नाराजगी पर जेडीयू के कैंडिडेट नीरज कुमार से सवाल पूछा गया तो उन्होंने बड़े बेफिक्री भरे अंदाज में जवाब दिया।

नीरज कुमार ने कहा कि अनंत सिंह की नाराजगी से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। नीतीश कुमार और सम्राट चौधरी जैसे नेता उनके साथ हैं, इसलिए अनंत सिंह जैसे नेता उनका कुछ नहीं बिगड़ सकते।

नीरज कुमार की ओर से अनंत सिंह को लेकर दिए गए बयान के बाद जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर भी तुरंत मैदान में कूद पड़े। प्रशांत किशोर ने कहा कि जेडीयू कैंडिडेट नीरज कुमार को बड़बोलेपन की आदत है। अगर

संस्थान में रोका गया। वहीं, बागपत रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाकर कुछ युवकों से पूछताछ की।

मुजफ्फरनगर से सपा सांसद हरेंद्र मलिक और उनके विधायक बेटे पंकज मलिक दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित सीजेपी और विपक्षी दलों के प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे थे। इस दौरान दिल्ली के जनपथ रोड पर पुलिस ने दोनों को अपने घेरे में लेकर हिरासत में ले लिया। हरेंद्र मलिक ने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए अब देश को आगे आना होगा।

दिल्ली में शनिवार को होने वाले विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश संगठन मंत्री और पूर्व जिला पंचायत सदस्य मास्टर जाहिद समेत कई कार्यकर्ताओं को शामली पुलिस ने रोक लिया। उन्हें सीटा रसूलपुर स्थित जेए नेशनल एकेडमी में रोका गया। मास्टर जाहिद ने कहा कि लोकतंत्र में हर नागरिक को अपनी बात रखने और शांतिपूर्ण

केंद्र सरकार पर साधा निशाना

रोहिणी ने एक अन्य पोस्ट में लिखा, 'बेबाकी से सच बोलने वाले सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ध्रुव राठी, कॉकरोच जनता पार्टी के अभिजीत दीपके, सौरभ दास, आशुतोष रांका और अन्य युवा आंदोलनकारियों-प्रदर्शनकारियों की मोदी-शाह के इशारे पर की गई गिरफ्तारी और दिल्ली प्रवेश पर पाबंदी मोदी सरकार की बढ़ती तानाशाही का प्रत्यक्ष प्रमाण है'।

रोहिणी ने की ये मांग

अपने पोस्ट के जरिए रोहिणी आचार्य ने यह भी कहा कि जितने भी प्रदर्शनकारी दिल्ली जा रहे हैं, उन्हें राजधानी की सीमाओं तक रोकना या फिर एयरपोर्ट पर ही रोक देना कानून का उल्लंघन है। उन्होंने कहा, संविधान के अनुच्छेद 19 द्वारा प्रदत्त स्वतंत्रता का खुला उल्लंघन किया जा रहा है। रोहिणी ने प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी की निंदा और रिहाई की मांग की।

कानपुर में एएनटीएफ का छापा कोडीनयुक्त कफ सिरप की 25000 शीशियां बरामद दिल्ली से मंगाय़ा गया था माल, एक गिरफ्तार

कानपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानपुर में बाबूपुरवा क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर ढकनापुरवा में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने छापा मारकर 25 हजार कोडीन युक्त कफ सिरप की शीशियां पकड़ीं। एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। बरामद माल की कीमत लगभग 2.95 करोड़ रुपये है। यह टर्बों टी नामक 100 एमएल वाला सिरप 250 कार्टन में दिल्ली से आया था।

यह सिरप हरिद्वार इंडस्ट्रियल पार्क 2 शिडकुल स्थित फार्मा हब ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में बना है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिहार के मधुबनी जिले के राजनगर थाना क्षेत्र के मगरपट्टी निवासी मिहिर कुमार ठाकुर के रूप में हुई।

वह गुजनी में रह रहा था। उसने बताया कि प्रयागराज के आशुतोष तिवारी उर्फ प्रवेश तिवारी ने नोवोडिक्स लाइफ साइंस के नाम से फर्म बनाई थी। फर्जी बिल्टियों से दिल्ली और गुजरात से माल मंगाकर प्रयागराज व वाराणसी में सप्लाय किया जाता था। इसमें दिल्ली से पंकज धीर और प्रयागराज से सुमित यादव मदद करते थे।

एएनटीएफ के दरोगा अमन सिंह की तहरीर पर मिहिर, आशुतोष, सुमित और पंकज धीर

तरीके से विरोध दर्ज कराने का अधिकार है। उन्होंने लोकतंत्र को कायम रखने की बात भी कही। दिल्ली में सीजेपी के प्रदर्शन को देखते हुए बागपत पुलिस भी सतर्क रही।

रेलवे स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने कुछ युवकों को रोककर उनसे पूछताछ की। प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली जाने वाले लोगों पर नजर रखने के साथ पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी बढ़ाई। प्रदर्शन को लेकर मेरठ में भी प्रमुख हाईवे, जिले की सीमाओं और टोल प्लाजा पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की गई। काशी और सिवाया टोल प्लाजा पर पुलिस, पीएसी और आरएएफ की तैनाती की गई। इससे पहले मेरठ में विपक्षी दलों, किसान संगठनों और सामाजिक संगठनों के 100 से अधिक नेताओं को नजरबंद किए जाने की जानकारी सामने आई थी। पुलिस सोशल मीडिया पर भी निगरानी रख रही है।

नवरात्रि की खुशियां मातम में बदल गईं, माता की जोत लेकर आ रहे 4

श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत

सहारनपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के सहारनपुर में मां दुर्गा की आराधना के लिए शाकुम्भरी देवी मां की जोत लेकर घर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्राली की कंटेनर से टक्कर हो गई। हादसे में 4 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हैं। सभी श्रद्धालु मेरठ जिले के सरधना क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना के बाद पीड़ितों के गांव और परिजनों में कोहराम मच गया है। मिली जानकारी के मुताबिक यह हादसा सहारनपुर के देवबंद में शनिवार की सुबह हुआ। इस हादसे में मेरठ सरधना विधानसभा क्षेत्र के कुशावली गांव के चार श्रद्धालुओं की मौत हो गई। सभी श्रद्धालु रविवार से नवरात्रि पर्व को लेकर उत्साहित थे, जिसके चलते वह मां शाकुम्भरी देवी की ज्योत लेकर ट्रैक्टर-ट्राली से अपने गांव लौट रहे थे। श्रद्धालुओं द्वारा अपनी ट्रैक्टर-ट्राली को देवबंद में रास्ते में चाय-पानी के लिए रोक लिया, तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार कंटेनर ने टक्कर मार दी।

नी-कैप में छिपाकर लाया 1.72 करोड़ का सोना, वंदे भारत से उतरा तस्कर, चारबाग स्टेशन पर हकड़ा गया

लखनऊ, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी के चारबाग रेलवे स्टेशन पर राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की संयुक्त कार्रवाई में सोने की तस्कर का मामला सामने आया है। वाराणसी से मेरठ जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस से लखनऊ पहुंचे एक यात्री के पास से 1.202 किलोग्राम विदेशी सोना बरामद किया गया। इसकी कीमत 1 करोड़ 72 लाख 34 हजार 373 रुपये आंकी गई है। आरोपी ने सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देने के लिए सोना नी-कैप में बनी विशेष जेब में छिपा रखा था। चारबाग आरपीएफ प्रभारी भूपेंद्र सिंह डागर के मुताबिक, ट्रेन संख्या 22489 वंदे भारत एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर पांच पर पहुंची। यहां पहले से मौजूद डीआरआई और आरपीएफ की टीम ने एक संदिग्ध यात्री की जांच की। इस दौरान उसकी नी-कैप से सोना बरामद हुआ। जांच में सोने की तीन चैन, एक आधी छड़ और दो कटे हुए टुकड़े मिले।

सोने के कुछ छह टुकड़ों का वजन 1.202 किलोग्राम पाया गया। बरामद सोने की कीमत 1,72,34,373 रुपये बताई गई है। जांच एजेंसियों के अनुसार, आरोपी ने बताया कि विदेशी सोना हावड़ा से वाराणसी के रास्ते लखनऊ लाया जा रहा था। सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी से बचने के लिए उसने सीधे आने वाली ट्रेन के बजाय वाराणसी में ट्रेन बदली और फिर वंदे भारत एक्सप्रेस से लखनऊ पहुंचा।

गिरफ्तार किया था।

नी-कैप में छिपाकर लाया 1.72 करोड़ का सोना, वंदे भारत से उतरा तस्कर, चारबाग स्टेशन पर हकड़ा गया

लखनऊ, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी के चारबाग रेलवे स्टेशन पर राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की संयुक्त कार्रवाई में सोने की तस्कर का मामला सामने आया है। वाराणसी से मेरठ जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस से लखनऊ पहुंचे एक यात्री के पास से 1.202 किलोग्राम विदेशी सोना बरामद किया गया। इसकी कीमत 1 करोड़ 72 लाख 34 हजार 373 रुपये आंकी गई है। आरोपी ने सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देने के लिए सोना नी-कैप में बनी विशेष जेब में छिपा रखा था। चारबाग आरपीएफ प्रभारी भूपेंद्र सिंह डागर के मुताबिक, ट्रेन संख्या 22489 वंदे भारत एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर पांच पर पहुंची। यहां पहले से मौजूद डीआरआई और आरपीएफ की टीम ने एक संदिग्ध यात्री की जांच की। इस दौरान उसकी नी-कैप से सोना बरामद हुआ। जांच में सोने की तीन चैन, एक आधी छड़ और दो कटे हुए टुकड़े मिले।

सोने के कुछ छह टुकड़ों का वजन 1.202 किलोग्राम पाया गया। बरामद सोने की कीमत 1,72,34,373 रुपये बताई गई है। जांच एजेंसियों के अनुसार, आरोपी ने बताया कि विदेशी सोना हावड़ा से वाराणसी के रास्ते लखनऊ लाया जा रहा था। सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी से बचने के लिए उसने सीधे आने वाली ट्रेन के बजाय वाराणसी में ट्रेन बदली और फिर वंदे भारत एक्सप्रेस से लखनऊ पहुंचा।

स्पिरिट में दिखेगा प्रभास का सबसे अलग अंदाज !

एक नहीं, डबल रोल में काटेंगे ‘भौकाल’, वांगा का बड़ा प्लान तैयार

स्पिरिट: साउथ सुपरस्टार प्रभास के लिए साल की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। उनकी फिल्म ‘द राजा साब’ सिनेमाघरों में आई, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई। इस नाकामी के बाद से ही फैन्स को उनकी अगली फिल्म ‘फौजी’ का बेसब्री से इंतजार है। जिसे हनु राघवपुडी बना कर रहे हैं। हालाँकि, ‘फौजी’ की रिलीज डेट का ऐलान हो चुका है। लेकिन गलियारों में चर्चा है कि फिल्म टल सकती है। इन सबके बीच संदीप रेड्डी वांगा के डायरेक्शन में बन रही ‘स्पिरिट’ को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। कहा जा रहा है कि फिल्म में प्रभास दो बिल्कुल नए और अलग-अलग लुक में दिखने वाले हैं। ‘स्पिरिट’ में प्रभास एक ऐसे किरदार में नजर आएंगे, जिसके बारे में किसी ने कभी सोचा भी नहीं होगा। यहां तक कि पहले उन्होंने जैसा काम किया है, यह किरदार उससे बिल्कुल अलग है। कहा जा रहा है कि यह लुक खुद डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा ने उनके लिए तैयार किया है।



प्रभास के लुक का हुआ खुलासा

इसी रिपोर्ट से पता लगा कि संदीप रेड्डी वांगा ने प्रभास के लिए बड़ी तैयारी कर ली है। एक पहले न देखा गया कैरेक्टर डिजाइन किया गया है। जहां प्रभास दो बिल्कुल अलग-अलग लुक में नजर आएंगे। जहां उनका एक लुक पुलिस वाले के किरदार वाला है। और दूसरे लुक को फिल्म के सेकंड हाफ में दिखाया जाएगा। और इस सीन को दिखाए जाने के लिए प्रभास एक दिलचस्प किरदार में नजर आएंगे। दरअसल प्रभास और संदीप रेड्डी वांगा पहली बार एक साथ काम कर रहे हैं। और क्योंकि वांगा का पिछला प्रोजेक्ट एनिमल रहा है, जिसने कई बड़े रिकॉर्ड्स तोड़े थे, तो फैन्स को भी ज्यादा उम्मीदें हैं।

प्रभास के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

फिलहाल प्रभास के पास कई बड़े पैन-इंडिया प्रोजेक्ट्स हैं। जिन पर अलग-अलग स्टेज में काम चल रहा है। ‘फौजी’ की शूटिंग जारी है। हालाँकि, रिलीज टलने की चर्चाएं हैं। ‘स्पिरिट’ के प्री-प्रोडक्शन का काम आखिरी स्टेज में है, जल्द शूटिंग शुरू होगी। वहीं, ‘कल्कि 2898 एडी’ के सीक्वल का पहला पार्ट सुपरहिट रहा था, अब पार्ट 2 की संक्रांत और प्री-प्रोडक्शन पर काम चल रहा है। साथ ही सलार भाग एनिमल 2 भी है। प्रशांत नील के दूसरे प्रोजेक्ट्स के बाद इस पर फुल-फ्लेज्ड काम शुरू होगा।

प्रभास की 'फौजी' की नई रिलीज डेट आई सामने



प्रभास को अपकमिंग फिल्म 'फौजी' का फैस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस पीरियड एक्शन ड्रामा फ़िल्म के शुरू में दिसंबर 2026 में रिलीज होने की उम्मीद थी। हालाँकि, प्रोडक्शन के दौरान शेड्यूल में बदलाव की वजह

से इसकी सिनेमाघरों में दस्तक देने की तारीख टल गई थी। लेकिन अब 'फौजी' की नई रिलीज डेट सामने आई है। हालाँकि इसकी वजह से अब एक्टर की एक और फिल्म की तारीख पर असर पड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स प्रभास स्टार 'फौजी' को सिनेमाघरों में रिलीज करने के लिए 18 मार्च, 2027 की तारीख सोच रहे हैं। बताया जा रहा है कि टीम अभी इंटरवल ब्लॉक की शूटिंग कर रही है और दिसंबर 2026 के मीड तक प्रोडक्शन पूरा होने की उम्मीद है। अगर यह तारीख तय हो जाती है, तो प्रभास की दो बड़ी फ़िल्में एक ही महीने में रिलीज हो सकती हैं। इससे 'स्पिरिट' की रिलीज प्लानिंग में बदलाव हो सकता है, जिसकी घोषणा 5 मार्च, 2027 के लिए की गई थी। हालाँकि, किसी भी फिल्म के शेड्यूल में बदलाव की ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं हुई है। इन सबके बीच मेकर्स 23 अक्टूबर, 2026 को 'फौजी' का टीजर रिलीज करने की प्लानिंग कर रहे हैं।

'फौजी' के बारे में

'फौजी' एक अपकमिंग पीरियड एपिक फिल्म है जिसमें प्रभास ऐतिहासिक बैकग्राउंड पर बेस्ड एक फिक्शनल कहानी में एक अफसर की भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म से इंटरनेट पर्सनैलिटी इमानवी एक्टिंग में डेब्यू कर रही हैं। फिल्म के अन्य कलाकारों में मिथुन चक्रवर्ती, अनुपम खेर और जया प्रदा शामिल हैं।



एक और टॉलीवुड हीरोइन का कॉलीवुड में कदम

क्या एक और टॉलीवुड हीरोइन कॉलीवुड का रुख करेंगी? वैसे, तेलुगु अभिनेत्रियों को पहले ही तमिल इंडस्ट्री में अच्छी पहचान मिल चुकी है और वे वहां काफी व्यस्त हैं। अब इस लिस्ट में एक और हीरोइन का नाम जुड़ गया है - फारिया अब्दुल्ला। फारिया की हमेशा से तमिल फिल्म इंडस्ट्री में बड़ी सफलता के साथ एंट्री करने की इच्छा रही है। फारिया अब्दुल्ला का कहना है कि अब वह कॉलीवुड दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाएंगी। हैदराबाद में जन्मी और पली-बढ़ी फारिया अपनी एक्टिंग के साथ-साथ अपने क्रिएटिव टैलेंट के लिए भी जानी जाती हैं। उन्हें बचपन से ही डांस में काफी दिलचस्पी रही है और उन्होंने स्टूडियो डांस और स्ट्रीट डांस जैसी विधाओं में ट्रेनिंग ली है। हाई स्कूल के दिनों में उन्हें फाइन आर्ट्स और साहित्य में रुचि थी। इसके बाद, फारिया ने मास कम्युनिकेशन की पढ़ाई पूरी की और थिएटर व स्टेज शो की ओर रुख किया, जहां उन्होंने खास ट्रेनिंग ली। एक्टिंग के अलावा, वह पिछले कुछ सालों से रैप म्यूजिक और म्यूजिक एल्बम बनाने का काम भी कर रही हैं। हाल ही में एक म्यूजिक वीडियो प्रोड्यूस करके उन्होंने कैमरे के पीछे भी अपनी फिल्म यात्रा में एक और उपलब्धि हासिल की है। फारिया ने हाल ही में 'सिम्रा' के साथ तमिल इंडस्ट्री में कदम रखा है। फिलहाल वह सुशिरन के निर्देशन में एक फिल्म में काम कर रही हैं। साथ ही, वह विजय एंटनी के साथ एक और फिल्म में भी काम कर रही हैं। फारिया अब्दुल्ला का कहना है कि अच्छी कहानियों का चुनाव करके वह कॉलीवुड दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बना लेंगी। तो।।। एक और टॉलीवुड हीरोइन कॉलीवुड में आ गई हैं।

नाना पाटेकर के निधन पर गोवा पुलिस ने क्यों दर्ज किया केस? शुरू की जांच



नाना पाटेकर, जिनका असली नाम विश्वनाथ गजानन पाटेकर था, उनका 8 अक्टूबर को गोवा में निधन हो गया। देर रात उनके बेटे ने उनका अंतिम संस्कार किया। वहीं अब जानकारी मिली है कि नाना पाटेकर के निधन के मामले में पणजी पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 194 के तहत अप्राकृतिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है। आधिकारिक दस्तावेजों के मुताबिक, 8 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 8:07 बजे बामबोलिम स्थित मणिपाल अस्पताल के डॉक्टर ने पणजी पुलिस स्टेशन को घटना की सूचना दी थी। इसके बाद पुलिस अधिकारी अस्पताल पहुंचे और मामले की जानकारी जुटाई। फिलहाल पुलिस सब-इंस्पेक्टर (पीएसआई) नितिन नाइक मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस रिकॉर्ड में अभिनेता का स्थायी पता मुंबई के अंधेरी वेस्ट का दर्ज है। नाना पाटेकर का अंतिम संस्कार गुरुवार देर रात पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। उनके निधन की खबर से फिल्म जगत और उनके प्रशंसकों में शोक की लहर दौड़ गई।

स्काउट और लव गिल की नजदीकियों पर आम्रपाली दुबे ने तोड़ी चुप्पी, कहा- 'ये बाहर गंदा दिखता है'

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान का पॉपुलर रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' इन दिनों खूब चर्चा में है। शो में आए दिन नए दिवस और टर्न देखने को मिल रहे हैं। इस वक्त दर्शकों की नजरें गेमर स्काउट उर्फ तन्मय सिंह और लव गिल पर टिकी हुई हैं। हाल ही में स्काउट ने यंग डीएसए के साथ बातचीत के दौरान लव गिल को लेकर कुछ ऐसा कहा, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी चर्चा तेज हो गई। स्काउट ने बताया कि लव गिल को लेकर उनके मन में कंप्यूज्ड फीलिंग्स हैं। इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें टोल किया जाने लगा, क्योंकि शो के बाहर उनकी गर्लफ्रेंड काशवी हैं। वहीं, 'बिग बॉस' के घर में स्काउट और लव गिल की बढ़ती नजदीकियां भी सुर्खियां बटोर रही हैं।



दोनों का एक-दूसरे के करीब रहना, छूना और गले मिलना सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। अब इस पूरे मामले पर भोजपुरी एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे ने प्रतिक्रिया दी है। शो के लेटेस्ट एपिसोड में वो लव गिल को समझाती नजर आईं।

स्काउट और लव गिल की नजदीकियों पर बात करते हुए आम्रपाली ने कहा, 'वो जब तुझे मसाज कर रहा था, शर्ट के अंदर हाथ डालकर, स्काउट, तब भी मैंने उसे बाहर से कहा था कि भाई, बाहर से कर। कुछ चीजें हैं जो बाहर अच्छी नहीं दिखतीं। तुझे फर्क नहीं पड़ता होगा, स्काउट को फर्क नहीं पड़ता होगा, लेकिन जिनके पार्टनर बाहर हैं, उन्हें खराब फील होता है। ये क्या रॉकेट साइंस है, समझना मुश्किल है क्या ये? मैं उस सेंस से बोल रही हूँ।'

अपनी फीलिंग्स को लेकर कंप्यूज्ड हैं स्काउट

'बिग बॉस 20' के हालिया प्रोमो में स्काउट लव गिल के लिए अपनी फीलिंग्स पर बात करते नजर आए। शो में दोनों के बीच बढ़ती नजदीकियां लगातार चर्चा में हैं। इससे पहले स्काउट ने कहा था कि वो लव को बहन की तरह देखते हैं। हालाँकि, हाल ही में यंग डीएसए के साथ बातचीत के दौरान स्काउट अपनी फीलिंग्स को लेकर कंप्यूज्ड नजर आए। उन्होंने कहा कि बहन होने से पहले ईसान दोस्त भी तो हो सकता है। इस पर यंग डीएसए ने उनसे पूछा, 'क्या तेरा रास्ता बदल रहा है?' इसके जवाब में स्काउट ने कहा कि उन्हें खुद नहीं पता। बता दें कि स्काउट हाल ही में लव गिल की शर्ट के अंदर हाथ डालकर मसाज करते नजर आए। इस दौरान दोनों काफी कंफर्टेबल दिखे। इसके अलावा, स्काउट लव गिल के पैर दबाते भी नजर आए।



वरुण धवन ने 'शार्क टैंक इंडिया' के 'बेटर न्यूट्रिशन' में निवेश किया बायो-फोर्टिफाइड फूड ब्रांड के एंसेडर के तौर पर पीवी सिंधु के साथ जुड़े

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन न्यूट्रिशन के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। उन्होंने 'बेटर न्यूट्रिशन' में निवेश किया है, जो 'शार्क टैंक इंडिया' के चौथे सीजन में दिखाया गया एक ब्रांड है और रोजाना खाए जाने वाले खाने को ज्यादा पोष्टिक बनाने पर फोकस करता है। इस बॉलीवुड एक्टर को बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु के साथ इस ब्रांड का एंसेडर भी बनाया गया है। वरुण के लिए यह पार्टनरशिप निजी तौर पर भी अहम है; उन्होंने हाल ही में खेती के लिए ज़मीन खरीदी है और अब वे कंपनी के साथ मिलकर अपने खेत को बायो-फोर्टिफाइड खेत में बदलने पर काम कर रहे हैं। 'बेटर न्यूट्रिशन' में वरुण धवन की दिलचस्पी खेती से जुड़े उनके अपने अनुभव की वजह से है। खेती के लिए ज़मीन खरीदने के बाद, एक्टर ने मिट्टी, बीजों और अपने खेत में उगाई जाने वाली फ़सलों के बारे में और जानना शुरू किया। इस अनुभव ने उन्हें खेती के तरीकों और रोजाना खाए जाने वाले खाने की न्यूट्रिशनल वैल्यू (पोषक तत्वों की मात्रा) के बीच के संबंध के बारे में सोचने पर मजबूर किया। अब, 'बेटर न्यूट्रिशन' के साथ मिलकर उनके खेत को बायो-फोर्टिफाइड खेत के तौर पर विकसित किया जाएगा। इस कदम से उन्हें इस प्रक्रिया को और करीब से समझने का मौका मिलेगा और साथ ही वे भारत में रोजाना इस्तेमाल होने वाले मुख्य खाद्य पदार्थों की न्यूट्रिशनल क्वालिटी को बेहतर बनाने की कंपनी की कोशिशों में भी मदद कर सकेंगे। इस पार्टनरशिप के बारे में बात करते हुए, एक्टर ने 'अफ़क्स' को दिए एक बयान में कहा, हम अपने खेत को बायो-फोर्टिफाइड बनाने के लिए साथ मिलकर काम कर रहे हैं। और हाँ, 'बेटर न्यूट्रिशन' अब मेरा भी ब्रांड है।

कटरीना कैफ : क्या अभिनेत्री ने आलोचकों को दिया जवाब ?



रही बातें हमारे आत्म-मूल्या को प्रभावित न करें। वहां बहुत सारी राय होती हैं। अगर आप उन सभी के अनुसार चलने लगते हैं, तो आप खुद फैसेल नहीं ले पाएंगे।' अभिनेत्री ने कहा कि दूसरों की बातों पर प्रतिक्रिया देने से व्यक्ति को आगे बढ़ने में दिक्कत हो सकती है। उन्होंने कहा, 'ऐसे समय भी होते हैं जब दुनिया आपकी तारीफ करती है, दूसरे समय में आपको वास्तव में खुद का सबसे बड़ा चीयरलीडर बनना पड़ता है।' कटरीना ने ज़िंदगी के कई चरणों को स्वीकार करने के सलाह दी। उन्होंने माना कि आत्मविश्वास और खुद के बारे में सोच हमेशा एक जैसी नहीं रहती। कई बार लोग खुद को सबसे अच्छा महसूस करते हैं, जबकि दूसरे समय में, उन्हें खुद के बारे में अच्छा महसूस करने में संघर्ष करना पड़ सकता है।

अभिनेत्री की हुई थी आलोचना

अभिनेत्री ने यह बातें उस मामले के बाद कहीं, जब वह हाल ही में अंबानी परिवार के गणेश चतुर्थी सेलिब्रेशन में पति विक्की कौशल के साथ नजर आई थीं। उनका एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें प्रेग्नेंसी के बाद उनके बड़े वजन को लेकर उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा था।

गिनाए सोशल मीडिया पर ज्यादा ध्यान देने के नुकसान

अभिनेत्री कटरीना कैफ ने हाल ही में सोशल मीडिया पर मिलने वाली प्रतिक्रिया से अपने आपको बचाने के बारे में बात की है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आत्मविश्वास खुद को स्वीकार करने से आता है, न कि हर किसी को खुश करने की कोशिश करने से। अभिनेत्री ने बताया कि कैसे आलोचना पर ज्यादा ध्यान देने से आप जिंदगी में आगे बढ़ने से रुक सकते हैं। यूके में अपने कॉस्मेटिक ब्रांड की पहली सालगिरह के मौके पर हुए एक इवेंट के दौरान, कटरीना ने कहा 'हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सोशल मीडिया पर चल

मिका केली और डैन रेनॉल्ड्स का 4 साल की डेटिंग के बाद ब्रेकअप



रिपोर्ट के मुताबिक, एक्ट्रेस मिका केली और 'इमैजिन ड्रैगन्स' के फ्रंटमैन डैन रेनॉल्ड्स ने लगभग चार साल साथ रहने के बाद अपना रिश्ता खत्म कर लिया है। कपल के करीबी एक सूत्र ने पब्लिकेशन को बताया कि उनका ब्रेकअप हाल ही में हुआ है। 46 साल की केली और 39 साल के रेनॉल्ड्स, दोनों में से किसी ने भी अभी तक इस अलगाव पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। कपल के बीच रिश्ते की खबरें पहली बार 2022 में तब आईं, जब वे कथित तौर पर एक कॉमन फ्रेंड के जरिए मिले थे। उन्होंने अपने रिश्ते को काफी हद तक निजी रखा और मई 2026 में लॉस एंजिल्स में 'म्यूजियम ऑफ कंटेम्प러리 आर्ट' (मोका) गल्ला में एक कपल के तौर पर रेड कार्पेट पर पहली बार साथ दिखे।

केली ने जुलाई में इंस्टाग्राम पर रेनॉल्ड्स को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक पोस्ट भी किया था, जिससे उनके रिश्ते की एक झलक मिली थी।उनका रोमांस दोनों के लिए एक नए अध्याय की तरह था, क्योंकि रेनॉल्ड्स पहले सिंगर आजा वॉल्केन से शादीशुदा थे। इस पूर्व जोड़े के चार बच्चे हैं और उन्होंने लगभग एक दशक की शादी के बाद 2022 में अलग होने की घोषणा की थी। वहीं, केली हॉलीवुड के कई बड़े नामों के साथ नाम जुड़ने के बावजूद अपनी निजी जिंदगी को लाइमलाइट से दूर ही रखती आई हैं। रेनॉल्ड्स के साथ उनका रिश्ता भी काफी हद तक निजी रहा और दोनों ने अपनी साथ की जिंदगी की बहुत कम झलकियां ही दुनिया के सामने रखीं।

जिसने प्रताड़ित किया, उसके मौत का शोक कैसे मनाएं ?

नाना पाटेकर के निधन के बीच तनुश्री के बाद अब संध्या मृदुल ने दिया बयान



एक्टर संध्या मृदुल ने दिवंगत एक्टर नाना पाटेकर के निधन के बाद तनुश्री दत्ता की विवादास्पद टिप्पणी के बाद उनका समर्थन किया है। बिना किसी का नाम लिए और सर्वाइवर (पीडित) के नजरिए का समर्थन करते हुए, संध्या ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट शेयर किए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी व्यक्ति की मौत से उनके द्वारा पहुंचाया गया नुकसान मिट नहीं जाता और सार्वजनिक श्रद्धांजलि के बीच सर्वाइवर के अनुभवों को नहीं भूलना चाहिए। अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में संध्या ने लिखा, किसी व्यक्ति की मौत से उनके द्वारा पहुंचाया गया नुकसान अपने आप मिट नहीं जाता। दुर्व्यवहार करने वाले के चले जाने से दुर्व्यवहार झूठा नहीं हो जाता, और सार्वजनिक श्रद्धांजलि के बीच सर्वाइवर के अनुभव कम सच नहीं हो जाते। उन्होंने आगे लिखा, किसी के लिए शोक मनाना संभव है और यह याद रखना भी जरूरी है कि ऐसे लोग हो सकते हैं जो उनसे जुड़ा दर्द लिए हुए हैं।



जब सिर्फ तारीफ की इजाजत हो और सर्वाइवर को भुला दिया जाए, तो ऐसा लग सकता है कि उनका सच फिर से गायब हो गया है। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, एक सर्वाइवर जीवन पर इसे लेकर जीता है। मैं हमेशा सर्वाइवर के साथ खड़ी रहूंगी। उन्होंने सर्वाइवर और उनके अनुभवों के प्रति अपना समर्थन जताते हुए #मीटू हैशटैग का भी इस्तेमाल किया। संध्या के ये पोस्ट गुरुवार को नाना के निधन के बाद तनुश्री की टिप्पणियों पर हो रही चर्चाओं के बीच आए हैं। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो में तनुश्री ने दिवंगत एक्टर को ईविल डेड कहा, जिस पर कुछ लोगों ने उनकी आलोचना की। तनुश्री और नाना पाटेकर के बीच विवाद 2008 का है, जब एक्ट्रेस ने #मीटू मूवमेंट के दौरान फ़िल्म 'हॉन 'ओके' प्लोज के सेट पर अनुभवी एक्टर पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था।